[This question paper contains 5 printed pages.]

6372 *Your Roll No.* .....

**LL.B./IV Term** **A**

Paper LB–4035 : COMMERCIAL TRANSACTIONS

*Time : 3 Hours* *Maximum Marks : 100*

*(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)*

*Note :– Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.*

*टिप्पणी :– इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।*

*Answer* **Five** *questions including Question No.* **1** *which is compulsory.*
**All** *questions carry equal marks.*

*अनिवार्य प्रश्न संख्या* **1** *सहित कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*
*सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

1. Attempt briefly any **four** of the following :

   (a) Condition as to title

   (b) Ascertained goods

P.T.O.

(c) Merchantable quality

(d) Part - delivery

(e) Fitness for buyers purpose

निम्नलिखित में से किन्हीं चार के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

(क) हक़ सम्बन्धी शर्त

(ख) अभिनिश्चित माल

(ग) विपण्य गुणता

(घ) आंशिक परिदान

(ङ) क्रेता के प्रयोजन हेतु उपयुक्तता

2. (a) "A contract of sale of goods is a contract whereby the Seller transfers or agrees to transfer the property in goods to the buyer for a price."

Emphasise the essential features of Sale according to the above mentioned definition.

(b) Distinguish between Conditions and Warranties.

(क) "माल-विक्रय की संविदा ऐसी संविदा होती है जिसके द्वारा विक्रेता माल में सम्पत्ति को मूल्य के वास्ते क्रेता को अन्तरित करता है अथवा अन्तरित करने के लिए सहमत होता है।"

उपर्युक्त परिभाषा के अनुसार विक्रय की आवश्यक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(ख) शर्तों व वारन्टियों के बीच भेद को स्पष्ट कीजिए।

3. When can a breach of condition be treated as a breach of Warranty and what are its consequential effects.

Do you agree with the following statement :

"Once a condition always a condition..... whether or not the remedies remained the same."

शर्त के भंग को कब वारन्टी का भंग माना जा सकता है तथा इसके क्या पारिणामिक प्रभाव होते हैं ? क्या आप निम्नलिखित कथन से सहमत हैं :

"एक बार की शर्त सदैव शर्त होती है.... चाहे उपचार उसी तरह के रहते हैं या नहीं रहते हैं।

4. Explain the maxim –, "Nemo det Ouod Now Habet" and enumerate the situations in which Nemo del Ouod Now Habet does not apply. Refer to decided cases.

इस सूत्र अर्थात् - "कोई भी व्यक्ति अपने हक़ से ऊंचा हक़ नहीं अंतरित कर सकता" की व्याख्या कीजिए और उन स्थितियों का उल्लेख कीजिए जिनमें "कोई भी व्यक्ति अपने हक़ से ऊंचा हक़ नहीं अंतरित कर सकता" सूत्र लागू नहीं होता। विनिश्चित केसों को निर्दिष्ट कीजिए।

5. Who can file a complaint under the "Consumer Protection Act" ? What sort of complaint can be filed by a complainant under the Act ? What reliefs are available to a consumer under the Act ? Discuss.

उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के अन्तर्गत कौन शिकायत फाइल कर सकता है ? उक्त अधिनियम के तहत शिकायतकर्ता द्वारा किस प्रकार की शिकायतें फाइल की जा सकती हैं। इस अधिनियम के अन्तर्गत उपभोक्ता को क्या-क्या अनुतोष सुलभ हैं ? विवेचन कीजिए।

6. Define "Unpaid Seller". When can an unpaid seller exercise his right of lieu on the goods and when this right is terminated.

"अदत्त क्रेता" की परिभाषा लिखिए। अदत्त क्रेता कब माल पर अपने धारणाधिकार का प्रयोग कर सकता है तथा यह अधिकार कब समाप्त हो जाता है ?

7. Discuss the rules regarding transfer of Property in the following transactions :

(a) In Contract for sale of specific goods in a deliverable state.

(b) Sale of unascertained goods

(c) When goods are delivered to the buyer on approval or, "On sale or return".

निम्नलिखित संव्यवहारों में सम्पत्ति के अन्तरण सम्बन्धी नियमों का विवेचन कीजिए :

(क) विनिर्दिष्ट माल की परिदानयोग्य स्थिति में बिक्री हेतु संविदा में

(ख) अनभिनिश्चित माल की बिक्री

(ग) जब माल का क्रेता को अनुमोदन पर या "बिक्री अथवा वापसी" पर परिदत्त किया जाता है।

8. Explain the rule of, "Caveat Emptor" and exceptions thereto and critically examine the validity of the following statement :

"The mere fact that an article sold is described in the contract by its trade-name does not necessarily make the sale, a sale under trade name."

"क्रेता सावधान रहे" नियम की तथा उसके अपवादों की व्याख्या कीजिए और निम्नलिखित कथन की वैधता की समीक्षात्मक जांच कीजिए :

केवल यह तथ्य कि संविदा में कोई वस्तु इसके व्यापार-नाम से वर्णित की गई है, उसकी बिक्री को जरूरी तौर पर व्यापार-नाम के अन्तर्गत बिक्री नहीं बनाता है।"